बी.ए **वर्ष 2022**

पञ्चम सत्र

विषय- संस्कृत

पेपर कोड BSA-S512

विवरण- पातञ्जल योगसूत्र

समय-03 घण्टे **पूर्णांक-70**

नोट: प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(खण्ड-अ)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। 5X6=30

1. पतञ्जलि के अनुसार योग अर्थ एवं महत्त्व लिखिए।
2. अग्रलिखित सूत्रों का अर्थ लिखें- (क) वृत्तयः पञ्चतयः क्लिष्टाक्लिष्टाः (ख) प्रत्यक्षानुमानागमाः प्रमाणानि
3. अग्रलिखित सूत्रों का अर्थ लिखें- (क) ईश्वरप्रणिधानाद्वा (ख) भुवनज्ञानं सूर्ये संयमात्।
4. अग्रलिखित सूत्रों का अर्थ लिखें- (क) सति मूले तद्विपाको जात्यायुर्भोगाः (ख) त्रयमेकत्र संयमः
5. योगदर्शन के अनुसार आसन का स्वरूप एवं महत्त्व लिखें।
6. योगदर्शन के अनुसार प्राणायाम का स्वरूप एवं महत्त्व लिखें।
7. योगदर्शन के अनुसार चित्तवृत्ति के निरोध के उपायों का वर्णन करें।
8. चित्तवृत्ति के विक्षेप तथा उनको दूर करने के उपायों का वर्णन कीजिए।
9. पद्मासन, मयूरासन एवं शीर्षासन के लाभ वर्णित करें।
10. महर्षि पतञ्जलि का संक्षिप्त परिचय लिखें।

(खण्ड-ब)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- विस्तारपूर्वक किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। **04X10=40**

1. अविद्यादि पञ्च क्लेशों का विस्तार से वर्णन करें।
2. यम का स्वरूप वर्णित करते हुए मानव जीवन में इसकी उपयोगिता निरूपित कीजिए।
3. नियमों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए योग में इसकी महत्ता प्रतिपादित करें।

4. पतञ्जलि के अनुसार समाधि का स्वरूप प्रतिपादित करें।
5. क्रियायोग की विधि एवं महत्त्व विस्तार से लिखिए।
6. धारणा एवं ध्यान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए मानवीय जीवन पर उसके प्रभाव को वर्णित कीजिए।
7. विभूतिपाद में वर्णित सिद्धियों की महत्ता पर प्रकाश डालिए।
8. मानवजीवन की सर्वविध उन्नति में योग की भूमिका निरूपित कीजिए।